SAY YES

कार्य-पुस्तिका



Dennis Pethers

स्वागत है

‘Say Yes’ में आपका स्वागत है। यह एक ऐसा पाठ्यक्रम है जो संसार भर के, हर पृष्ठभूमि के मसीह-अनुयायियों की सहायता के लिए बनाया गया है, ताकि वे यीशु के मिशन में उसके साथ जुड़ने के लिए ‘हाँ’ कहने के योग्य और इच्छुक बन सकें।

‘Say Yes’ इस गहरे विश्वास से जन्मा है कि हर मसीह-अनुयायी यीशु की ‘मिशन टीम’ का एक अनोखा हिस्सा है, और इसलिए जब वह यीशु पर ‘भरोसा करता और उसकी आज्ञा मानता’ है और उसके मिशन में उसके साथ जुड़ता है, तो उसे तैयार किया जाना और सहारा दिया जाना आवश्यक है।

‘Say Yes’ आपको, एक मसीह-अनुयायी के रूप में, चाहे आप संसार में कहीं भी हों, एक ऐसे सीखने वाले समुदाय का हिस्सा बनने का अवसर देता है जो आपको यीशु का ऐसा शिष्य बनने के लिए प्रेरित और तैयार करेगा जो और शिष्य बनाता है; या दूसरे शब्दों में, उन लोगों की विश्वव्यापी टीम का हिस्सा बनने का अवसर, जिन्हें उसने महान आज्ञा को पूरा करने के लिए बुलाया है।

शुभ समाचार यह है कि ऐसा करने के लिए आपको संसार के किसी दूसरे हिस्से में जाने की आवश्यकता नहीं है – आप यह वहीं कर सकते हैं जहाँ आप हैं!



“शुभ समाचार यह है कि ऐसा करने के लिए आपको संसार के किसी दूसरे हिस्से में जाने की आवश्यकता नहीं है – आप यह वहीं कर सकते हैं जहाँ आप हैं!

आरंभ करने से पहले

आरंभ करने से पहले, कुछ बहुत महत्वपूर्ण बातें हैं जिनके बारे में हम चाहते हैं कि आप जानें, ताकि इस सीखने वाले समुदाय का हिस्सा बनने के लिए आप जो समय देने का वचन देते हैं, उसका सबसे अच्छा उपयोग हो और आप समझ सकें कि 'Say Yes' कैसे काम करता है।

1. 'शिष्यता' को फिर से खोजना

यीशु ने उनसे कहा, "मेरे पीछे चले आओ, और मैं तुम्हें मनुष्यों को पकड़ने के लिए भेजूँगा।"
मरकुस 1:17

बहुत से लोगों के लिए **शिष्यता** शब्द का अर्थ कलीसिया में होने वाला बाइबल अध्ययन है – बाइबल अध्ययनों में जाना और संसार से कट जाना, अक्सर यही शिष्यता की तस्वीर होती है।

परन्तु यह उस शिष्यता जैसी बिलकुल भी नहीं है जैसी यीशु चाहता था!

'Say Yes' का हिस्सा बनकर आप बहुत सी ऐसी बातें सीखेंगे जो कलीसिया परिसर की किसी कक्षा में नहीं सीखी जा सकतीं। आप अधिकतर 'करके' सीखेंगे, और निश्चित रूप से यह चुनौतीपूर्ण होगा तथा आपसे माँग करेगा कि आप डर और अनिश्चितता पर विजय पाने में सहायता के लिए परमेश्वर पर भरोसा करें।

नीचे दिए गए चार उद्धरणों पर मनन करने के लिए कुछ समय निकालें। कृपया मेरा जोड़ा हुआ मनन पढ़ें और फिर सोचें कि यह एक शिष्य (सीखने वाले) के रूप में आप पर कैसे लागू होता है।

"शिक्षा का महान उद्देश्य ज्ञान नहीं, बल्कि कार्य है" Herbert Spencer

मेरा मनन: "हमने 'सीखने' को बहुत हद तक केवल इतना बना दिया है कि एक प्रचारक/शिक्षक श्रोताओं तक जानकारी पहुँचाता है, श्रोता उस जानकारी को प्राप्त करते हैं और फिर उनके पास उसे जीवन में लागू करने का कोई तरीका नहीं होता – 'परिवर्तन के बिना जानकारी'।"

"लागू किए बिना शिक्षा केवल मनोरंजन है" Tim Sanders

आपका मनन:

मेरा मनन: "एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो संसार भर में स्थानीय सभाओं में मसीह-अनुयायियों के समूहों से नियमित रूप से बात करता है, मुझे सबसे अधिक निराशा – बल्कि कहूँ तो झुंझलाहट – इस बात से होती है कि बहुत बड़ी संख्या में लोग उपदेश सुनकर कहते हैं, 'आज आपका उपदेश मुझे बहुत अच्छा लगा।' हर बार जब

मैं यह सुनता हूँ, मैं निराश होता हूँ, क्योंकि इससे पता चलता है कि उसे जीवन में लागू करने के बारे में बहुत कम सोचा गया है।"

"जो हम पहले से जानते हैं, वही अक्सर हमें सीखने से रोकता है" Claude Bernard

आपका मनन:

मेरा मनन: "सीखने के ऐसे तरीके के वर्षों के अनुभव ने, जिसने कभी हमसे यह अपेक्षा नहीं की और न ही हमें इसके लिए तैयार किया कि जो हमें सिखाया गया है उसे हम लागू करें, हमें यह विश्वास दिला दिया है कि जो हमसे माँगा जा रहा है वह हम कभी कर ही नहीं सकते।"

"पुस्तकों और उदाहरणों से व्यक्ति केवल यह सीखता है कि कुछ काम किए जा सकते हैं। वास्तविक सीखने के लिए आवश्यक है कि आप वे काम करें।" Frank Herbert

मेरा मनन: "'Say Yes' में सीखने का केंद्र यह है कि वीडियो या प्रत्यक्ष रूप से दी गई शिक्षा सीखने के अनुभव का केवल एक छोटा सा हिस्सा है; जब आप उन गतिविधियों में भाग लेंगे जो इस कार्य-पुस्तिका में स्पष्ट रूप से समझाई गई हैं, केवल तभी आप वास्तव में सीखेंगे कि यीशु के मिशन में उसके साथ कैसे जुड़ें।"

आपका मनन:

2. आपको अकेले रहने की आवश्यकता नहीं है!

> इसके बाद प्रभु ने बहत्तर और लोगों को नियुक्त किया, और जिस-जिस नगर और स्थान को वह स्वयं जाने पर था, वहाँ उन्हें **दो-दो करके** अपने आगे भेजा। ***लूका 10:1***

यीशु ने अपने चेलों को जोड़ियों में और छोटी टीमों में भेजा, कभी अकेले नहीं। यीशु ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह जानता था कि यदि लोगों को कोई काम अकेले करने के लिए छोड़ दिया जाए, तो बहुत कम लोग उसे वास्तव में करते हैं। लोगों की 'जोड़ियाँ' और 'टीमें' बनाकर यीशु जानता था कि यह उन्हें 'मिशन पर' बनाए रखने में बहुत बड़ी सहायता होगी।

आज के लोग भी बहुत अलग नहीं हैं। अधिकांश मसीह-अनुयायियों के लिए आराधना सभा और घरेलू/छोटे समूह में जाना अपेक्षाकृत आसान है, क्योंकि सब कुछ पहले से तैयार होता है और दूसरे लोग भी शामिल होते हैं।

कलीसिया की दीवारों के बाहर के लोगों से जुड़ना किसी सभा में पहुँच जाने से कहीं अधिक कठिन लगता है, और सच्चाई यह है कि 'अकेले छोड़ दिए जाने' पर हम में से अधिकांश यह कभी नहीं करेंगे। वास्तव में, हम में से अधिकांश यह कभी करते ही नहीं!

इसलिए 'Say Yes' ज़ोर देकर सलाह देता है कि यदि आप यह पाठ्यक्रम करने जा रहे हैं, तो कम से कम एक और मसीह-अनुयायी से जुड़ने का प्रयास करें जिसके साथ आप 'यह सीखने की यात्रा' करेंगे। यह कुछ तरीकों से हो सकता है:

1. हो सकता है आप पहले से ही एक या अधिक ऐसे मसीह-अनुयायियों को जानते हों जिनकी यीशु को प्रकट करने की वैसी ही इच्छा हो – यदि ऐसा है, तो उनसे कहें कि वे आपके साथ जुड़ें और यह पाठ्यक्रम साथ मिलकर करें।
2. हो सकता है आपके मन में कोई मसीह-अनुयायी न हो। यदि ऐसा है, तो यीशु से माँगें कि वह आपको उस व्यक्ति तक पहुँचाए जिससे वह चाहता है कि आप जुड़ें।
3. यदि इनमें से किसी का भी सकारात्मक परिणाम न निकले, तो कृपया हमसे संपर्क करें, और यदि संभव हुआ तो हम आपको ऐसी ही स्थिति वाले किसी मसीह-अनुयायी से जोड़ने का प्रयास करेंगे।

3. करना सीखने का एक आवश्यक हिस्सा है और 'SAY YES' के सीखने के अनुभव का एक मुख्य हिस्सा है

"इसलिए जो कोई मेरी ये बातें सुनकर उन्हें मानता है, वह उस बुद्धिमान मनुष्य के समान है जिसने अपना घर चट्टान पर बनाया।" ***मत्ती 7:24***

'जो सुना गया है उसे व्यवहार में लाना सच्चे सीखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।' इसलिए 'Say Yes' का हिस्सा होने का अर्थ है कि आप केवल 'सुनेंगे' नहीं, बल्कि 'करेंगे' भी। यह समझना आपके लिए महत्वपूर्ण है कि केवल शिक्षण सत्रों को देखने या सुनने से सच्चा सीखना नहीं होगा।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि सच्चा सीखना हो, हर सत्र के अंत में, सोचने के लिए कुछ प्रश्नों के साथ-साथ, आपको अगले सत्र से पहले करने के लिए कुछ काम भी दिया जाएगा।

'Say Yes' को जारी रखने का निर्णय लेने से पहले, कृपया तय करें कि क्या आप शिक्षण सत्रों के बाहर 'करने' के लिए समय देने के योग्य और इच्छुक हैं। यदि हाँ, तो 'Say Yes' आपके लिए बहुत सहायक होगा; यदि नहीं, तो शायद यही अच्छा है कि आप आगे न बढ़ें।

याद रखें, इस 'करने' का अधिकांश भाग अकेले नहीं, बल्कि एक या अधिक दूसरे मसीह-अनुयायियों के साथ करना सबसे अच्छा होता है।

4. यह कार्य-पुस्तिका

यह सरल कार्य-पुस्तिका सीखने के अनुभव का एक मुख्य हिस्सा है। आप देखेंगे कि इसमें बहुत सी जगह दी गई है ताकि इस प्रक्रिया से गुज़रते हुए आप जो सीख रहे हैं उसे लिख सकें।

5. भुगतान

The Rooftop ‘Say Yes’ में भाग लेने के लिए कोई शुल्क नहीं लेता, क्योंकि हम जानते हैं कि बहुत से लोगों के लिए उनकी आर्थिक परिस्थितियों के कारण यह एक बाधा होगी। फिर भी, यदि आपके पास साधन हैं, तो हम आपको आमंत्रित करते हैं कि www.therooftop.org/donate पर जाकर जो योगदान आप उचित समझें, वह दें।

विषय-सूची

परिचय

01 यीशु का शिष्य होना

- **सत्र 1.** यीशु को हाँ कहें
- **सत्र 2.** आप मिशन क्षेत्र में हैं
- **सत्र 3.** ऐसी प्रार्थना जो मिशन की ओर ले जाती है
- **सत्र 4.** तारों के समान चमकें (वीडियो)

02 ऐसा शिष्य होना जो शिष्य बनाता है

- **सत्र 5.** एक प्रक्रिया के रूप में शिष्यता
- **सत्र 6.** हम कैसे सीखते हैं और दूसरों को सीखने में कैसे सहायता करते हैं?
- **सत्र 7.** बाइबल का परिचय (वीडियो)
- **सत्र 8.** हमें पवित्र आत्मा की आवश्यकता है

03 व्यावहारिक तैयारी

- **सत्र 9.** आपकी कहानी का महत्व (वीडियो नहीं)
- **सत्र 10.** किसी व्यक्ति को मसीह का अनुयायी बनने में अगुवाई करना (वीडियो नहीं)

04 बढ़ोतरी (गुणन)

01

यीशु का शिष्य होना

सत्र 1: हाँ कहें

शिक्षण नोट्स

प्रश्न

1. यीशु के मिशन का हिस्सा बनने के लिए आपकी 'हाँ' कितनी दृढ़ है?
2. वे कौन-से कारण हैं जो आपको वहाँ तक लाए हैं जहाँ आप आज हैं?
3. यदि आवश्यक हो, तो यीशु के मिशन में उसके साथ जुड़ने के लिए उत्साह से 'हाँ' कहने हेतु आपको कौन-से कदम उठाने या कैसी सहायता लेने की आवश्यकता है?

गतिविधि

1. कम से कम एक ऐसे व्यक्ति को बताएँ जो अभी नहीं जानता कि आप एक मसीही हैं।

सत्र 2: आप मिशन क्षेत्र में हैं

शिक्षण नोट्स

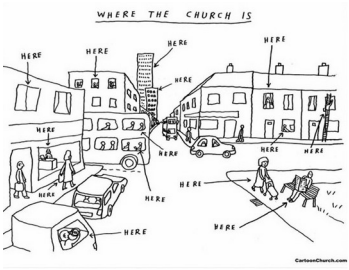
<u>प्रश्न</u>

1. आपका 'मिशन क्षेत्र' कहाँ है? इस पर सोचने के लिए कुछ समय निकालें और लिखें:
    a. आप अपना समय कैसे बिताते हैं।
    b. आप अपना समय कहाँ बिताते हैं।
    c. आपके जीवन के अलग-अलग क्षेत्रों में आप किन लोगों से जुड़े हुए हैं?

    यही आपका मिशन क्षेत्र है।

2. 'जहाँ आप रहते हैं' वहाँ एक मिशनरी के रूप में, इन बातों पर सोचें:
    - आपके कुछ डर।
    - कुछ बातें जिनकी आपको यीशु के मिशन में प्रभावी रूप से जुड़ने के लिए आवश्यकता है।
    - ऐसे अनुभव जिनसे आप अपने द्वारा परमेश्वर को काम करते हुए देख पाए।
    - आपकी वे चीज़ें, साधन और कौशल जिनका उपयोग यीशु के मिशन में जुड़ने के लिए किया जा सकता है।

<u>गतिविधि</u>



इस चित्र को देखें जो यह दिखाने का प्रयास करता है कि कलीसिया कहाँ है। आप देखेंगे कि इसमें कई जगह 'HERE' (यहाँ) लिखा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जहाँ भी कोई मसीही है, वहीं कलीसिया है।

जिन स्थानों पर आप जाते हैं, वहाँ कलीसिया बनना आरंभ करें।

सत्र 3: ऐसी प्रार्थना जो मिशन की ओर ले जाती है

शिक्षण नोट्स

प्रश्न

1. आपका प्रार्थना-जीवन किन तरीकों से उस प्रकार की प्रार्थना को दर्शाता है – या नहीं दर्शाता – जो यीशु ने मत्ती 7 में अपने चेलों को सिखाई?

2. वे कौन-से क्षेत्र हैं जिनमें आपको लगता है कि बदलाव या सुधार की आवश्यकता है ताकि आप इस प्रकार प्रार्थना कर सकें?

3. किन संदेहों या डरों पर आपको विजय पाने की आवश्यकता है ताकि आप यह प्रार्थना कर सकें कि परमेश्वर वह करे जो असंभव लगता है?

गतिविधि

1. परमेश्वर के लिए एक प्रार्थना लिखें जो उसकी इच्छा के अनुसार चलने और यीशु के मिशन में उसके साथ जुड़ने की आपकी तत्परता को प्रकट करे। उस पर हस्ताक्षर करें, उसे एक लिफ़ाफ़े में रखें और किसी गुप्त परन्तु आसानी से मिलने वाले स्थान पर रख दें।

2. जब आप लोगों के बीच हों, तो परमेश्वर से माँगना आरंभ करें कि वह आपकी सहायता करे कि आप वह देख सकें जो वह देखता है जब वह उन लोगों को देखता है जिन्हें आप देख रहे हैं।

सत्र 4: तारों के समान चमकें

शिक्षण नोट्स

प्रश्न

1. कलीसिया के बाहर के लोगों के साथ होने पर आप किस हद तक स्वयं को 'घुल-मिल जाते' या 'छिपते' हुए पाते हैं?
2. आप किन तरीकों से 'तारे के समान चमक' रहे हैं?
3. अधिक चमकने और कम छिपने के लिए आपको किस बात की आवश्यकता है?

गतिविधि

अपने मिशन क्षेत्र के कम से कम एक व्यक्ति के लिए ज्योति बनने का अवसर बनाने या उसका उपयोग करने का निर्णय लें।

02

ऐसा शिष्य होना जो शिष्य बनाता है

सत्र 5: एक प्रक्रिया के रूप में शिष्यता

शिक्षण नोट्स

प्रश्न

1. आप शिष्यता की यात्रा के किस 'चरण' में हैं?
    a. यीशु को जान रहे हैं?
    b. यीशु के पीछे चलने का निर्णय ले चुके हैं, परन्तु अभी शिष्य नहीं बना रहे?
    c. दूसरों को शिष्य बना रहे हैं ताकि वे शिष्य बनें और शिष्य बनाएँ?
2. यीशु के मिशन में उसके साथ जुड़ने के लिए अधिक सोच-समझकर प्रतिबद्ध होने हेतु आप अब कौन-सा कदम उठाएँगे?

गतिविधि

किसी ऐसे परिचित व्यक्ति से जुड़ें जो मसीही नहीं है, और यीशु के बारे में सच्चाई खोजने में उसकी सहायता करना आरंभ करें।

सत्र 6: हम कैसे सीखते हैं और दूसरों को सीखने में कैसे सहायता करते हैं?

शिक्षण नोट्स

प्रश्न

1. आपको जो मिला है (जानकारी), उसका उपयोग आप यीशु के मिशन में उसके साथ जुड़ने (परिवर्तन) के लिए किन तरीकों से कर रहे हैं?

2. कलीसिया परिसर में सीखने की सुरक्षा से बाहर निकलकर 'काम करते हुए' सच्चा सीखने में भाग लेने से आपको क्या रोकता है, या क्या प्रोत्साहित करता है?

गतिविधि

अपने आराम के दायरे से बाहर निकलने का अवसर बनाएँ या उसका उपयोग करें, और भरोसा रखें कि परमेश्वर आपके साथ रहेगा।

सत्र 7: बाइबल का एक संक्षिप्त अवलोकन



शिक्षण नोट्स

प्रश्न

1. इस सत्र ने बाइबल की शिक्षा को पढ़ने, समझने और लागू करने के लिए अधिक इच्छुक बनने में आपकी कैसे सहायता की है?

2. उससे और अधिक परिचित होने के लिए आपको क्या करने की आवश्यकता है?

गतिविधि

हर दिन बाइबल पढ़ने के लिए समय अलग रखना आरंभ करें। यदि आपको कोई बाइबल-पठन योजना मिल सके, तो वह बहुत सहायक हो सकती है।

सत्र 8: हमें पवित्र आत्मा की आवश्यकता है

शिक्षण नोट्स

प्रश्न

1. आपके दैनिक जीवन में पवित्र आत्मा किन तरीकों से सक्रिय है?

2. क्या ऐसे तरीके हैं जिनसे आप पवित्र आत्मा का विरोध कर रहे हों या उसे बुझा रहे हों?

गतिविधि

लूका 11:9-13 में यीशु कहता है: “इसलिए मैं तुम से कहता हूँ: माँगो, तो तुम्हें दिया जाएगा; ढूँढ़ो, तो तुम पाओगे; खटखटाओ, तो तुम्हारे लिए खोला जाएगा। क्योंकि जो कोई माँगता है उसे मिलता है; जो ढूँढ़ता है वह पाता है; और जो खटखटाता है उसके लिए खोला जाएगा।

तुम में से ऐसा कौन पिता होगा कि यदि उसका पुत्र मछली माँगे, तो वह उसे मछली के बदले साँप दे? या अंडा माँगे, तो उसे बिच्छू दे? अतः जब तुम बुरे होकर भी अपने बच्चों को अच्छी वस्तुएँ देना जानते हो, तो स्वर्गीय पिता अपने माँगने वालों को पवित्र आत्मा क्यों न देगा!”

इन शब्दों को पढ़ने और उन पर मनन करने के लिए समय निकालें, और फिर ‘स्वर्ग में अपने पिता से माँगें कि वह आपको पवित्र आत्मा दे’।

03

व्यावहारिक तैयारी

सत्र 9: आपकी कहानी का महत्व

शिक्षण नोट्स

प्रश्न

1. आपके विचार में आपकी कहानी किन तरीकों से किसी को यीशु के बारे में सच्चाई खोजने में सहायता कर सकती है?
2. कलीसिया की दीवारों के बाहर के लोगों के साथ 'अपनी कहानी बताने' के अवसर बनाने या उनका उपयोग करने का आप कैसे प्रयास कर रहे हैं?

गतिविधि

जिन लोगों को आप जानते हैं, उन्हें अपनी कहानी के कुछ हिस्से बताना आरंभ करें।

सत्र 10: किसी व्यक्ति को मसीह का अनुयायी बनने में अगुवाई करना

शिक्षण नोट्स

प्रश्न

1. किसी व्यक्ति को मसीह का अनुयायी बनने में अगुवाई करने के अवसर पर आपकी क्या प्रतिक्रिया होती है?

2. वे कौन-सी बाधाएँ हैं जिनके कारण आपको लगता है कि यह ऐसा काम नहीं है जो आप कर सकें?

3. आपको किस प्रकार की सहायता की आवश्यकता है?

गतिविधि

1. समय निकालकर वे शब्द लिखें जिनका उपयोग आप किसी व्यक्ति को मसीह का अनुयायी बनने का निर्णय लेने में सहायता करने के लिए करेंगे।

2. इनका उपयोग किसी ऐसे व्यक्ति के साथ करें जो मसीह का अनुयायी बनने में रुचि रखता हो।

बढ़ोतरी (गुणन)

शिक्षण नोट्स

गतिविधि

इस स्थान का उपयोग यह लिखने के लिए करें कि आप उन मसीह-अनुयायियों की संख्या बढ़ाने के लिए क्या करेंगे जो ऐसे शिष्य बनेंगे जो और शिष्य बनाते हैं।

The Rooftop आंदोलन के बारे में अधिक जानने के लिए कृपया देखें:
www.therooftop.org

‘Say Yes’ की सामग्री और अन्य पाठ्यक्रम डाउनलोड करने और देखने के लिए कृपया देखें:
www.jjdn.net